नोबेल पुरस्कार विजेता विद्वान–वर्ष 2014

दिव्यांश श्रीवास्तव
छात्र, लामार्टीनियर कॉलेज, लखनऊ–226001, उ0प्र0, भारत
divyansh_21@hotmail.com

1. चिकित्सा के क्षेत्र में

जॉन ओ कीफ
(जन्म–1939, यू0एस0ए0)

एडवर्ड मोजर
(जन्म–1963, नॉर्वे)

मे–ब्रिट मोजर
(जन्म–1962, नॉर्वे)

वर्ष 2013 में चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए नोबेल पुरस्कार रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंस द्वारा संयुक्त रूप से ब्रिटिश–अमेरिकन शोधकर्ता **जॉन ओ कीफ** तथा नार्वे के दम्पत्ति **एडवर्ड मोजर एवं मे–ब्रिट मोजर** को उनके उत्कृष्ट खोज कार्य **"सैल्स दैट कॉन्स्टीट्यूट ए पोजीशनिंग सिस्टेम इन द ब्रेन"** पर प्रदान किया गया। जिसमें उनके द्वारा मस्तिष्क में "इनर जीपीएस" नाम के पोजीशनिंग सिस्टम की खोज की गई। जॉन ओ कीफ वर्तमान में वैलकम सेंटर इन न्यूरल सरकिट्स एण्ड बिहेवियर, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लन्दन, लन्दन में निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। इस पोजीशनिंग सिस्टम के पहले घटक की खोज जॉन ओ कीफ के द्वारा सन् 1971 में की गई थी। उनके अनुसार मस्तिष्क के एक भाग में विशेष प्रकार की तंत्रिका कोशिका होती है जिसे हिप्पोकैम्पस कहा गया, यह तंत्रिका कोशिका उस समय हमेशा सक्रिय रहती थी जब कमरे के किसी भाग में चूहा होता था तथा दूसरी तंत्रिका कोशिका उस समय सक्रिय रहती है जब वह चूहा किसी दूसरे स्थान पर पहुँचता है। जॉन ओ कीफ ने यह निष्कर्ष निकाला कि इन "प्लेस सैल्स" से कमरे का पूरा नक्शा बनाया जा सकता है। जॉन ओ कीफ की इस खोज के लगभग तीन दशकों बाद, वर्ष 2005 में, मे–ब्रिट मोजर एवं एडवर्ड मोजर ने इसी पोजीशनिंग सिस्टेम श्रृंखला के दूसरे घटक की खोज की। मोजर दम्पत्ति द्वारा एक नये प्रकार की तंत्रिका कोशिका की खोज की गई जिसे उन्होंने "ग्रिड सैल" का नाम दिया, जो कोऑर्डिनेट सिस्टेम का निर्माण करता है और सटीक स्थिति एवं रास्ता खोजने की अनुमति प्रदान करता है। वर्तमान में मोजर दम्पत्ति नॉर्वीजियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, ट्रॉन्डीम, नॉर्वे, में शोधरत हैं।

2. **भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में**

प्रो0 इसामू आकासाकी
(जन्म–1929, जापान)

प्रो0 हिरोशी अमानो
(जन्म–1959, जापान)

प्रो0 शूजी नाकामूरा
(जन्म–1954, जापान)

वर्ष 2014 में भौतिक विज्ञान में उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए नोबेल पुरस्कार रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंस द्वारा संयुक्त रूप से तीन जापानी वैज्ञानिकों **प्रो0 इसामू आकासाकी**, **प्रो0 हिरोशी अमानो**, नगोया यूनिवर्सिटी, जापान तथा **प्रो0 शूजी नाकामूरा**, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, सांता बारबरा, यू0एस0ए0, को उनके द्वारा 1990 के दशक में **"ब्ल्यू लाइट एमिटिंग डायोड्स(एल0ई0डी0)"** की उत्कृष्ट खोज के लिए प्रदान किया गया। वर्तमान में प्रयोग में लाये जाने वाले चमकदार सफेद ऊर्जा फेंकने वाले एल0ई0डी0 बल्ब्स इसी नीले रंग को लाल तथा हरे रंग की एल0ई0डी0 के साथ मिलाकर प्राप्त किये जा सके हैं। जापानी वैज्ञानिकों की यह खोज पर्यावरण को सुरक्षित रखने में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने में सक्षम है। वैज्ञानिकों का यह दावा है कि दुनिया भर में प्रयोग में लाई जाने वाली 20 प्रतिशत ऊर्जा की खपत को एल0ई0डी0 के पूर्ण प्रयोग के जरिये 4 प्रतिशत तक घटा कर लाया जा सकता है।

3. **रसायन विज्ञान के क्षेत्र में**

एरिक बेत्जिक
(जन्म–1960, आन आर्बर, एम. आई., यू.एस.ए.)

स्टीफन डब्ल्यू0 हैल
(जन्म–1962, अरद, रोमानिया)

विलियम, ई0 मोएर्नर
(जन्म–1953, , यू.एस.ए.)

वर्ष 2014 में रसायन विज्ञान में उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए नोबेल पुरस्कार रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंस द्वारा संयुक्त रूप से तीन भौतिक रसायन वैज्ञानिकों **एरिक बेत्जिक**, जनेलिया फॉर्म रिसर्च कैम्पस, हॉवर्ड ह्यूज मेडिकल इंस्टीट्यूट, एशबर्न, वी0ए0, यू0एस0ए0, **स्टीफन डब्ल्यू0 हैल**, **निदेशक**, मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट फॉर बायोफिजिकल केमिस्ट्री, गोटिंजेन, जर्मनी, जर्मन कैंसर रिसर्च सेंटर, हेइडलबर्ग, जर्मनी, **प्रो0 विलियम, ई0 मोएर्नर**, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, सी0ए0, यू0एस0ए0, को भौतिक रसायन में "**फॉर द डेवेलपमेंट ऑफ सुपर–रिजॉल्व्ड फ्ल्यूरोसेंस माइक्रोस्कोपी**" की खोज के लिए प्रदान किया गया। इन तीनों वैज्ञानिकों की खोज ने माइक्रोस्कोपी(सूक्ष्मदर्शी तकनीक) को नये आयाम पर पहुँचा अणुओं में जीवित कोशिकाओं को देखना मुमकिन किया है। इस उपलब्धि से पारंपरिक ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप पहले से कहीं बेहतर हो गया है।

4. साहित्य के क्षेत्र में

पैट्रिक मोदियानों
(जन्म–1945, फ्रांस)

वर्ष 2014 में साहित्य के लिए 111वां नोबेल पुरस्कार रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंस द्वारा नाजी प्रभाव की लेखनी वाले फ्रांस के प्रसिद्ध उपन्यासकार **पैट्रिक मोदियानो** को उनके लेखन कार्य "**फॉर द आर्ट ऑफ मेमोरी विद व्हिच ही एवोक्ड द मोस्ट अनग्रैस्पेबल ह्यूमन डेन्सिटीज एण्ड अनकवर्ड द लाइफ–वर्ल्ड ऑफ द ऑक्यूपेशन**" पर प्रदान किया गया। मोदियानों ने अब तक 30 उपन्यास लिखे हैं। उनके प्रमुख उपन्यासों में "मिसिंग पर्सन", "ए ट्रेस ऑफ मेलाइस", "हनीमून", "विला ट्रिस्ट" शामिल हैं। "मिसिंग पर्सन" के लिए उन्हें प्रतिष्ठित "**प्रिक्स गोनकोर्ट**" पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। उनके द्वारा बच्चों पर किताबें तथा कई फिल्म पटकथायें लिखी गई हैं। मोदियानों 120–130 पृष्ठों वाले छोटे उपन्यास लिखते हैं जो अधिकतर पुरानी बातों, यादों तथा समय जैसे विषयों पर आधारित हैं। पैट्रिक मोदियानो साहित्य में नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले 11वें फ्रांसीसी लेखक हैं।

5. शांति के क्षेत्र में

कैलाश सत्यार्थी
(जन्म–1954, भारत)

मलाला यूसुफजई
(जन्म–1997, पाकिस्तान)

वर्ष 2014 में शांति का नोबेल पुरस्कार नॉर्वीजियन नोबेल एकेडेमी, ओस्लो, नॉर्वे, द्वारा संयुक्त रूप से **"बचपन बचाओ आन्दोलन"** नामक एन0जी0ओ0 के अंतर्गत कार्य करते हुए बच्चों की शिक्षा के अधिकारों व बाल मजदूरी के खिलाफ आवाज उठाने के लिए भारत के समाज सेवी **श्री कैलाश सत्यार्थी** एवं लड़कियों की शिक्षा के अधिकारों की लड़ाई लड़ने के लिए पाकिस्तान में जन्मी 17 वर्षीय साहसी लड़की **मलाला यूसुफजई** को शांति के क्षेत्र में प्रदान किया गया। श्री कैलाश सत्यार्थी भारत में जन्मे आठवें नोबेल पुरस्कार प्राप्त कर्ता हैं। कैलाश सत्यार्थी ने बाल मजदूरी के खिलाफ वैश्विक मंच बनाया है, जो कई देशों में सक्रिय है। उन्हें पहले भी कई बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। बाल अधिकारों के लिए अपनी लड़ाई प्रारम्भ करने से पूर्व सन् 1980 में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की नौकरी छोड़ दी थी। अभी तक उन्होंने 80 हजार बाल मजदूरों को मुक्त कराया है। मलाला को वर्ष 2012 में पाकिस्तान में महिलाओं के लिए शिक्षा को अनिवार्य बनाए जाने की मांग के बाद तालिबान की गोली का शिकार होना पड़ा था। सन् 1901 से 2014 तक 47 बार महिलाओं को नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया है। शांति के क्षेत्र में मलाला यूसुफजई नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाली 16वीं महिला हैं। 17 वर्षीय मलाला यूसुफजई नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाली अभी तक की सबसे कम उम्र की विद्वान हैं। इसके पहले सबसे कम उम्र में नोबेल पुरस्कार पाने वाले ऑस्ट्रेलिया मूल के ब्रिटिश वैज्ञानिक लॉरेंस बेग थे जिन्हें 25 साल की उम्र में अपने पिता के साथ सन् 1915 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ था। मलाला पाकिस्तान में जन्मीं तीसरी नोबेल पुरस्कार प्राप्त कर्ता हैं।

5. अर्थशास्त्र के क्षेत्र में

जीन टिरोल
(जन्म–1953, ट्रोएस, फ्रांस)

वर्ष 2014 में, अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में अर्थशास्त्र विज्ञान के लिए प्रदान किया जाने वाला सवेरिजेस रिक्सबैंक पुरस्कार 61 वर्षीय फ्रांसीसी अर्थशास्त्री एवं प्रोफेसर **डॉ0 जीन टिरोल**, टूलाउस 1 कैपिटल यूनिवर्सिटी, फ्रांस, को उनके उत्कृष्ट कार्य **"फॉर हिज एनालिसिस ऑफ मार्केट पॉवर एण्ड रेग्यूलेशन"** पर प्रदान किया गया। जीन टिरोल ने औद्योगिक संगठनों, गेम थ्योरी, बैंकिंग एवं फायनेंस, अर्थशास्त्र तथा मनोविज्ञान में शोध कार्य कर अपना महती योगदान प्रदान किया।